Lecture-(11) (1)-(3)

Topic -

Sunita Kumari
Subject - philosophy (H.)
B.A Part - I paper - I

(5) Meaning of Nastika

Ans:-> भारतीय दर्शन मे (Nastika) नासतिक के विचार कुछ इस प्रकार देखने को मिलता है। नासतिक यानी नकारात्म भावना प्रकट करना ही नासतिक कहलाता है। यानी जिस निष्काम भावना से किया गया कर्म नासतिक कहलाता है। अपनी भावना को किस प्रकार प्रकट बारीकिंग से करते है। अपना कुछ न कुछ लक्ष्य लेकर ही मनुष्य अपना कार्य को शुरु करता है। जब वे वह कार्य मे सफलता मिल जाती है तब सकाम कर्म कहा जाता है। जिस कार्य को करने से असफलता मिलती ही है। वह कर्म करने मे तब इसमे ईश्वर की प्रतिती महसूस होती है। जैसे -> ईश्वर मे विश्वास करना भारतीय दर्शन मे विस्तार पूर्वक स्पष्ट करता है। (Indian Philosophy of Nastika) इस दर्शन मे ईश्वर को नही मानता है। इस प्रकार दोनो को,

P.T.O.

निरूपण ढंग से बतलाया गया है।

नास्तिक (Nastika) दर्शन में ईश्वर कुछ नहीं समझता है। ईश्वर से नहीं विश्वास रखता है। नास्तिकवादियों का कहना है कि कदाचित् वो किसी काम को मानते कर्म पर निर्भर है इस संसार का खण्डन करना पड़ता है।

नास्तिक दर्शन में अनेक तरह के विचार दार्शनिकों व्यक्त किया है। इसी प्रकार इस संसार की उत्पत्ति अपने आप में हो जाता है। नास्तिक दर्शन में कहा ईश्वर ही नहीं कल्पना, संसार नहीं हो जाता है।

जिस प्रकार मनुष्य जन्म लेता है और वह धीरे बढ़ते रहता है उसी प्रकार बच्चा जब जवान होता है और जवान से वह बूढ़ा होता है इसी प्रकार अपने आपमें इस संसार में वही नियम देखने को मिलता है। और नास्तिक के दार्शनिक नितसे (Nitse) सोपहार सोपेनहावर (Sopamhaver) ने दार्शनिक ढंग से इस समस्या से निपटने को

चेष्टा किया है/ नियम पूर्वक चलना चाहिए यही सब सौपेनहार ने कहा है/

इस संसार अकेलों है/ इस विषय में यही सब बातों को विस्तारपूर्वक आलोचना हुई है/ :- (Meaning of Nastika) इस संसार में अपने आपमें उत्पत्ति हुई है/ इस में दूसरा कोई नहीं है/ यह सब प्रकृति की देन है/ नियम के तहत चलते रहता है/ और जड़ जगत प्रकृति की देन है/ और यही सब ~~निष्कर्ष~~ निष्कर्ष भावना देखने को मिलती है/ आखिर नास्तिक ~~का कहना~~ है/
जड़ जगत ही मुख्य कारण बतलाया गया है/

भारतीय दर्शन में यही सब संक्षिप्त हो या विस्तार सब एक ही दृष्टि से अनुसारित किया गया है/

इस दर्शन में यही सब देखने को मिलती है/ यानी ईश्वर पर विश्वास नहीं रखता है/ नास्तिक मानता अपने आपमें प्रकृति की देन हो ~~स्वयं~~ चलती है/ अंधविश्वास से परे रहना पड़ता है/ E.N.D.